



मिशन शिक्षण संवाद

हमारे त्योहार



काव्य मंजरी
शैक्षिक कविताओं का संकलन

• **संकलन** •

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख त्योहार होली

01

होली का आया त्योहार, रंगों की लाया बौछार।
मीठी मठरी और समोसे, गुजियों की है अजब बहार।।

बच्चों को तो बहुत ये भाता,
बूढ़ा भी बच्चा बन जाता।
एक दूजे को रंग लगाने,
घर आते सब रिश्तेदार।।



होली जलाने जब भी जाएँ,
लौंग कपूर साथ ले जाएँ।
इसका जब धुआँ उठता है,
दूर करे सारे बुखार।।

लाल, गुलाबी, पीले रंग,
पीते होली पर सब भंग।
दुश्मन को भी दोस्त बना दे,
रिश्तों में आता है निखार।।

हेमलता गुप्ता (स.अ.)
प्रा. वि. मुकंदपुर, लोधा,
अलीगढ़





मिशन शिक्षण संवाद



प्रमुख त्योहार दीपावली

02

जब राम अयोध्या आये,
सबने खुशी में दीप जलाए।
घर का कोना रहा न खाली,
सबने ऐसे मनाई दीवाली।।

पूजन करें लक्ष्मीजी का,
संग बैठाये श्री गणेश।
अन्न और धन भरा रहे,
फिर कट जाये सकल कलेश।।

गोवर्धन को भोग चढ़ाये,
जीवन में फिर रहे मिठास।
भाई दूज में टीका करके,
लम्बी उम्र की पूरी आस।।



श्वेता (स०अ०)
E.M.C.S. लोढ़वारा
चित्रकूट, चित्रकूट





मिशन शिक्षण संवाद



प्रमुख त्योहार ईद

03

आओ ईद मनायें हम,
सबको गले लगाना हम।
प्यार-मुहब्बत वाली खुशियां,
मिलकर के मनायें हम।।

तीस दिनों तक रोज़ा रखें,
चाँद देखकर ईद मनायें।
नए-नए वस्त्रों को पहनें,
सेवई खायें और खिलायें हम।।

बैर ना किसी से रखते हम,
ईद, होली सब त्योहार हमारे है।
सबको गले लगाकर हम,
आओ ईद मनाये हम।।

ऊषा सुख (शिक्षामित्र)
प्रा०वि० नहटोरा
डिलारी, मुरादाबाद



प्रमुख त्योहार क्रिसमस डे

04

क्रिसमस जन्म दिवस है ईसा का,
त्योहार है यह खुशियों का।
मिलकर सभी मनाते हैं,
गीत खुशी के गाते हैं।।

सेंटा क्लॉज की शान निराली,
लाल शूट है सफेद दाढ़ी।
उपहार वो लेकर आता है,
बच्चों के मन को भाता है।।



क्रिसमस ट्री का है क्या कहना,
जैसे चमक रहा हो गहना।
मम्मी ने है केक बनाया
सब के मन को खूब है भाया।।

हम सब चर्च भी जाएंगे,
मस्ती धूम मचायेंगे।
सबको बड़े दिन की बधाई,
देखो खुशियां घर में आईं।।

ऋतु श्रीवास्तव (स.अ.)
पू० मा० वि० भौंसी-2
मानिकपुर, चित्रकूट



प्रमुख त्योहार लोहड़ी

05

मूँगफली, तिल, गजक, रेवड़ी,
सबकुछ लेकर आई लोहड़ी।
फ़सलों में भी पड़ गये दाने,
मक्का लेकर चलो भुनाने॥

सब अग्नि के फेरे लगाते हैं,
मंगल गीत भी गाते हैं।
जीवन यूँ ही खुशहाल रहे,
अग्नि से यही मनाते हैं॥

धरती सूरज को फिर देखे,
मुँह करके उस ओर रहे।
सूरज जीवन दे धरती को,
उसकी कृपा बनी रहे॥



आराधना सिंह (प्र.अ.)
E.M.C.S. लोढ़वारा
चित्रकूट, चित्रकूट





मिशन शिक्षण संवाद



प्रमुख त्योहार वैसाखी

06

बैसाख मे जब बैसाखी आये,
नव वर्ष के रूप मे इसे मनायें।
सिख भाईयों का पर्व,
सब मिलजुल कर इसे मनायें।।

जब बजे ढोल, नाचें कृषक,
झूमे फसलें, उर मे पुलक।
अब कटेगी फसलें हमारी,
अब होगी खुशियाँ न्यारी।।



गुरूद्वारे मे रौनक छाई,
जब प्यारी बैसाखी आई।
धूम मचाती भाती हर मन,
जन्म खालसा हुआ इसी दिन।।

अमृत छलका पंच प्यारो ने,
गुरूसाहब की याद दिलाने।
भंगड़ा, गिद्धा, होड़ लगाते,
घर बाहर रोशन हो जाते।।

शशि बाला अग्निहोत्री (स०अ०)
पू०मा०वि०अमेठी जदीद
बढ़पुर, फरुखाबाद



प्रमुख त्योहार रक्षाबंधन

07

प्रेम सुगंध, बारिश की फुहार,
शीतल मंद चलत बयार।
आया सावन, छायी बहार,
संग लाया राखी का त्योहार।।

बहन , भाई को राखी बाँध,
मुँह मीठा करवाती है।
इस पवित्र सूत के बदले,
सदा रक्षा का वादा पाती है।।

एक धागे की डोर से बँधा,
भाई-बहन का अनुपम प्यार।
आया सावन, छायी बहार,
संग लाया राखी का त्योहार।।



खुशियों से सदा भरा हो,
भाई का जीवन,
ईश्वर से बस यही अरज,
माँगे बहन।
प्रेम को प्रगाढ़ करता,
रक्षाबंधन का त्योहार।।

रीनू पाल (स०अ०)
प्रा० वि० दिलवालपुर
देवमई, फतेहपुर



प्रमुख त्योहार गुड फ्राइडे

08

गुड फ्राइडे के दिन प्रभु यीशु को याद करते हैं,
सत्य और प्रेम के प्रतीक के क्रॉस को चूमते हैं।

गुड फ्राइडे पर उन्हे
सूली पर लटकाया,
अज्ञानियों पर उन्हे
रहम ही है आया।।

क्षमा करना अपराध
प्रभु इन्हे नही पता,
तुम्ही हो सबके दाता,
माता और पिता।

सत्य, अहिंसा, प्रेम
का संदेश दिया था,
प्रभु पुत्र ने सबका
दुःख दूर किया था।।



प्रतिभा भारद्वाज(स०अ०)
पू०मा०वि०वीरपुर छबीलगढ़ी
जवां, अलीगढ़





मिशन शिक्षण संवाद



प्रमुख त्योहार मुहर्रम

09

इस्लामी महीने का नया साल,
मुहर्रम से जाना जाता है।
मुहर्रम मुसलमानों का एक,
प्रमुख त्योहार माना जाता है।।

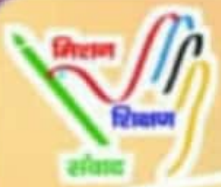
इमाम हुसैन का कर्बला में,
पानी बंद किये था यजीद।
छोटे-छोटे बच्चे भी बिन पानी,
उम्मत के लिए हो गए शहीद।।



दस दिन रोज़ा रख हसन, हुसैन, शिया करते हैं मातम,
को याद करते हैं मुस्लिम लोग। अपनी गलती पर रोते हैं।
उनकी याद में शर्बत, चाय, खाने, हसन-हुसैन की याद में,
आदि का लंगर करते हैं रोज़।। ताजिया के जुलूस होते हैं।।

शहनाज़ बानो (स.अ.)
पू० मा० वि० भौरी- 1
मानिकपुर, चित्रकूट





मिशन शिक्षण संवाद



प्रमुख त्योहार छठ पूजा

10

हे छठ माई! दो वरदान हमें,
हम पूजें हर साल तुझे।

इसके प्रकाश में सुख शान्ति मिले,
जिसकी पूजा में मन की कली खिले।।

गंगा के तट पर रवि पूजन हो,
पुत्रों का हर पल संरक्षण हो।

आरती और दीप जलें,
खुशियों के जीवन में फूल खिलें।।

तुम आना हर एक बरस सदा।
पूर्ण हो सबकी मनोकामना।।



प्रवीणा दुबे (स०अ०)
प्रा० वि० मिल्क मौज मुल्ला,
शमसाबाद, फर्रुखाबाद



प्रमुख त्योहार दशहरा

11

हिन्दुओं का प्रमुख त्योहार,
दशहरा है उसका नाम।
रावण का संहार करें,
रघुकुल के राम महान॥



असत्य पर सत्य की विजय,
ये त्योहार बतलाता है।
क्वार मास के शुक्ल पक्ष की,
दशमी तिथि को आता है॥

अन्य नाम भी हैं सुहाते,
बिजोया, आयुध-पूजन
कहलाते।

आलस्य, हिंसा, चोरी के,
परित्याग की प्रेरणा देता है।
रामलीला का आयोजन भी,
इसी पर्व से होता है॥

शस्त्र पूजा का प्रचलन है,
रण-यात्रा का भेद बताते॥

आयुषी अग्रवाल (स०अ०)
कम्पोजिट वि०शेखूपुर खास
कुन्दरकी (मुरादाबाद)



प्रमुख त्योहार नवरात्रि

12

प्यारे बच्चों नवरात्रि है,
नौ दिन का त्योहार।
क्वार मास व चैत्र मास,
वर्ष में आता है दो बार॥



माता रानी की पूजा,
हम नौ दिन तक करते हैं।
अंतिम दिन कन्या भोज से,
व्रत पूर्ण करते हैं॥

कहीं डांडिया खेल के सब जन,
यह त्योहार मनाते।
पूजन, वंदन, अर्चन करते,
आयें जब नवराते॥

दुर्गा माँ के नव रूपों की,
करते हैं आराधना।
कोई तो व्रत रख के नौ दिन,
पूरी करता साधना॥

पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, अलीगढ़



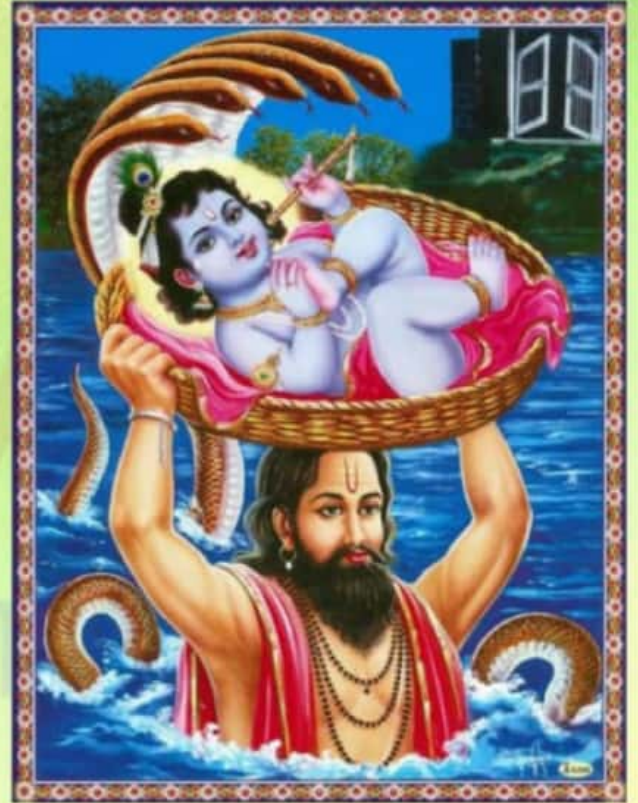
प्रमुख त्योहार जन्माष्टमी

13

कारागार की रात काली,
जन्मे उसमें कृष्ण मुरारी।
देखो खुली बेड़ियाँ सारी,
आठवें पुत्र की आई बारी।।

खुल गए सारे बंद ताले,
सो गए सारे रखवाले।
कान्हा को सिर पर रख,
वासुदेव गोकुल पधारे।।

गोकुल में जब आए,
तब सोते हुए पाए।
उठा यशोदा की बेटी,
श्याम को वहाँ लिटाये।।



सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर,
ऐरायां, फतेहपुर



प्रमुख त्योहार ओणम

14

विभिन्न जाति, धर्म के लोग यहाँ पर,
उनका तरह-तरह का वेश है।
भारत के दक्षिण भाग पर,
स्थित केरल राज्य है।।

महाबली राजा को समर्पित,
यह ओणम का त्योहार है।
श्रावण मास में होता है ओणम,
घर सजते रंगोली, फूल से बारंबार है।।



फूलों से सजी रंगोली पूकलम कहलाती,
विष्णु, राजा बलि की मूर्ति प्रतिष्ठित की जाती।
नौका दौड़, नृत्य, उल्लास से ओणम मनाया जाता,
दस दिन तक आयोजित होता फिर समाप्त हो जाता।।

केरलवासी दसवें दिन राजा को विदाई देते।
अगले वर्ष फिर से आना यह आशा हैं करते।।

दीपिका (स० अ०)
प्रा० वि० मदरी प्रथम
अमौली, फतेहपुर





प्रमुख त्योहार रामनवमी

15

दशरथ नाम के राजा ने,
जब प्रभु से पुकार कियो।
सातवें रूप में विष्णु के,
मनुज रूप अवतार लियो।।

चैत्र मास में शुक्ल पक्ष की,
नवमी तिथि जब आई थी।
नगरी में अवध की,
हर तरफ खुशियाँ ही छाई थी।।



कैसे बनायें जीवन सुन्दर,
यह हमें सिखाते रघुवर।
लोभ, मोह को त्याग कर
चलो सभी सच्चे पथ पर।।

त्यागी और सुशील बनो तुम,
ठहरो नहीं गतिशील बनो तुम।
बढ़ते जाओ जीवन पथ पर,
एक सच्चे कर्मवीर बनो तुम।।

अतुल सिंह भदौरिया
प्रा० वि० नगला बंजारान
सहावर, कासगंज





मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद



~ रचनाकार ~

1. हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
2. श्वेता, चित्रकूट
3. ऊषा सुख, मुरादाबाद
4. ऋतु श्रीवास्तव, चित्रकूट
5. आराधना सिंह, चित्रकूट
6. शशि बाला अग्निहोत्री, फर्रुखाबाद
7. रीनू पाल, फतेहपुर
8. प्रतिभा भारद्वाज, अलीगढ़
9. शहनाज़ बानो, चित्रकूट
10. प्रवीणा दुबे, फर्रुखाबाद
11. आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद
12. पूनम गुप्ता, अलीगढ़
13. सुधांशु श्रीवास्तव, फ़तेहपुर
14. दीपिका, फतेहपुर
15. अतुल सिंह भदौरिया, कासगंज

मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहयोग
राज कुमार शर्मा, चित्रकूट



प्रमुख त्योहार

